Dainik Bhaskar (Hindi) (Indore ed.), 10th June 2013, Page-2

आईआईटी मास्टर प्लान घोषित | 502 एकड़ में बनेगा, पहले चरण में खर्च होंगे एक हजार करोड़ रु.

दीक्षांत के बाद कैम्पस की तैयारी

तीन साल में पूरा होगा पहला चरण। फाउंडेशन तैयार होते ही छात्र स्थायी कैम्पस में जा सकेंगे। दूसरे और तीसरे चरण में होगा विकसित।

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी के पहले दीक्षांत समारोह में इंस्टिट्यूट के बोर्ड चेयरमैन व डायरेक्टर दोनों ने मास्टर प्लान पर काम शुरू कर जल्द कैम्पस बनाने की घोषणा की है। 502 एकड़ जमीन का मुद्दा सुलझने के बाद यहां भव्य कैम्पस बनाने की तैयारी है। मास्टर प्लान पर तीन चरणों में काम होगा और इसमें आधारभूत ढांचे, इंस्ट्रूमेंट लगाने व अन्य सुविधाएं देने पर करीब एक हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। काम शुरू होने के दिन से पहले चरण में ही करीब तीन साल लग जाएंगे। इसके पूरा होते ही आईआईटी के छात्र स्थायी कैम्पस में जाने की स्थिति में होंगे।

मास्टर प्लान के अनुसार सिमरोल में आवंटित जमीन में पूर्व की ओर जंगल है, दक्षिण में भी कुछ हिस्सा जंगल है। इसलिए मुख्य निर्माण आवंटित जमीन के मध्य क्षेत्र के 293 एकड़ क्षेत्र में होगा। कैम्पस में जाने के लिए मुख्य मार्ग से दो गेट होंगे। पहले मुख्य द्वार से रास्ता सीधा प्रशासनिक ब्लॉक की ओर जाएगा। इस ब्लॉक से ही लगकर एकेडमिक ब्लॉक रहेगा। यहां सभी क्लासेस लगेंगी और हाईटेक लाइब्रेरी होगी। दूसरे मुख्य द्वार का रास्ता आईआईटी के दक्षिण सिरे की ओर सीधे कैम्पस, स्कूल और डायरेक्टर के आवास की ओर जाएगा।

ऐसा होगा आईआईटी कैम्पस

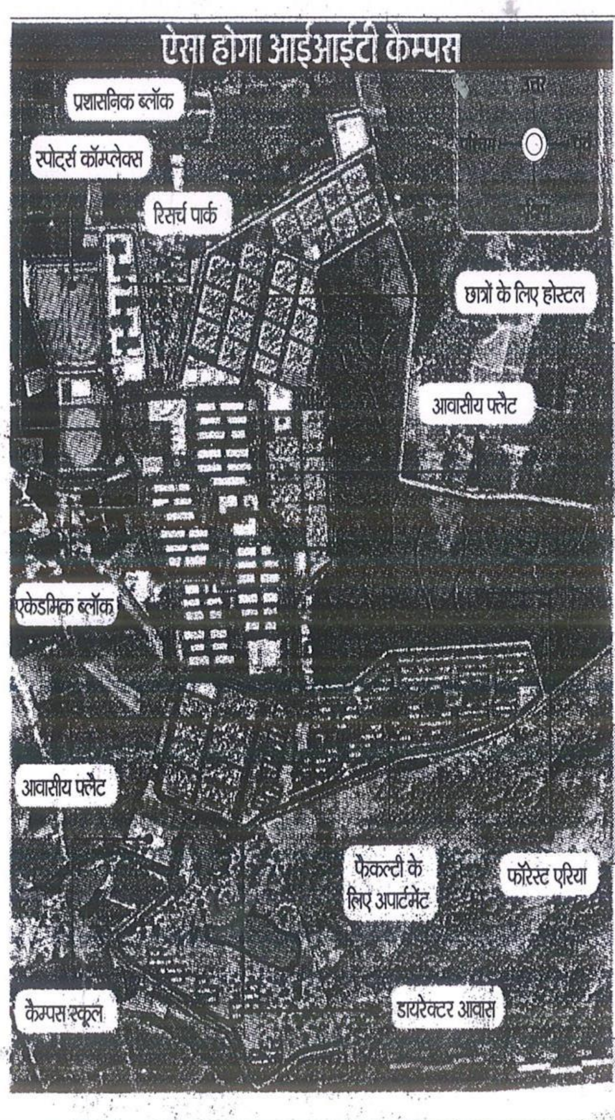

कैम्पस में ये सुविधाएं होंगी

प्रशासनिक ब्लॉक

मध्य क्षेत्र में भव्य ब्लॉक होगा। इसमें डायरेक्टर के साथ ही रजिस्ट्रार व अन्य अधिकारियों की बैठक व्यवस्था होगी।

एकेडमिक ब्लॉक

प्रशासनिक ब्लॉक से लगकर होगा। सभी क्लासेस और लाइब्रेरी इसी में होगी। यह भी मध्य क्षेत्र में है।

फैकल्टी व डायरेक्टर आवास

फैकल्टी के लिए पूर्व की ओर अपार्टमेंट रहेंगे। छोटे फ्लैट भी बनेंगे। कुछ अपार्टमेंट दक्षिण में सबसे आखिरी छोर पर बनेंगे। दक्षिण में ही डायरेक्टर का आवास होगा।

होस्टल्स

छात्रों के लिए उत्तर में होस्टल्स रहेंगे। यहीं फूड कोर्ट भी बनेगा।

कैम्पस स्कूल

आईआईटी के दूसरे द्वार का रास्ता सीधे कैम्पस स्कूल में पहुंचेगा। यहां फैकल्टी के बच्चे पढ़ेंगे। यह दक्षिण दिशा में रहेगा।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स व रिसर्च पार्क